सामूहिक प्रयास से स्थापित होगा सद्भाव

अयोध्या। 'सर्व धर्म सद्भावना सम्मेलन' का उद्घाटन करते हुए महंत देवेन्द्रप्रसादाचार्य, महंत जन्मेजय शरण, क्षेत्रीए संचालिका ब्र.कु.विद्या, ब्र.कु.सुरेन्द्र, ब्र.कु.रामनाथ तथा अन्य।

अयोध्या। ब्रह्माकुमारीज़ के गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'स्वर्ण जयंती' समारोह की कड़ी में रसिक पीठ जानकीघाट बड़ा स्थान में 'सर्वधर्म समभाव' सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए दशरथ महल बड़ा स्थान के महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य और 'राम जन्म भूमि के निर्माणा अध्यक्ष' महंत जन्मेजय शरण ने कहा कि उपासना के मार्ग अलग-अलग होते हुए भी मानवता का कल्याण हम सभी का उद्देश्य है। हम सभी एक ही परमात्मा की संतान हैं। पूरे विश्व की मानवता का कष्ट दूर हो और यह संसार सुख का अनुभव करे, इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश पलोक बसु ने कहा कि सत्य के साथ असत्य सदैव रहेगा पर हमें इनके बीच से सत्य को पहचानकर उस पर विश्वास करना होगा। राजगोपाल मंदिर के महंत कौशल किशोर शरण फलाहारी ने कहा कि विश्व के अनेक महापुरुषों ने समाज में शांति व्यवस्था देने का प्रयास किया लेकिन समाज व राष्ट्र उतने ही अशांत हो रहे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जीवन स्वस्थ और दूसरों के लिए कैसे उपयोगी हो। उन्होंने कहा कि केवल शाब्दिक प्रयासों से शांति नहीं आ सकती है। उसके लिए व्यवहार में भी हमें परिवर्तन लाना होगा। रामलला के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि पूरे जगत में एक ब्रह्म, एक विश्व, एक परिवार की भावना हो यह परम उद्देश्य आवश्यक है। गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी गुरजीत सिंह ने कहा कि सद्भावना से ही पूरे संसार का कल्याण होगा व इसी से ही वैश्विक समस्या का हल होगा। जूना अखाड़ा हरिद्वार से आए स्वामी उमाकांतानंद सरस्वती ने धर्म व रिलीजन में अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रकृति का लक्षण व जीव का स्वभाव ही धर्म है। धार्मिक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु.रामनाथ ने कहा कि मन-बुद्धि की एकाग्रता से ही हम परमात्मा से सम्बन्ध जोड़ सकते हैं और उनसे शक्ति प्राप्त कर सकते हैं। क्षेत्रिए संचालिका ब्र.कु.सुरेन्द्र ने कहा कि हमारे देश की समृद्धि में सबसे बड़ी बाधा धर्म की दीवार है। उन्होंने कहा कि हम सभी का परमात्मा एक है और हम सब उसके बच्चे हैं तो हमारे बीच धर्म की दीवार रही कहां! ये दीवार तो लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए बना रखी है।

इस कार्यक्रम को नागा रामलखन, महंत अवधेश दास, फैजाबाद कैंट चर्च के फादर प्रदीप चंद्रा, महंत भवनाथ दास, ब्र.कु.जयप्रकाश, कानपुर की ब्र.कु.विद्या ने भी सम्बोधित किया।

धर्म से ऊपर उठकर नि:स्वार्थ सेवा करें

फर्रूखाबाद। स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा मऊ दरवाजा स्थित गुरूगांव देवी मंदिर के प्रांगण में सर्व धर्म सद्भावना सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए सनातन धर्म के प्रमुख स्वामी रामभक्त दास ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों ने जिस तरह से सभी धर्म के प्रतिनिधियों को एक मंच पर बिठाया है वह बहुत ही सम्मान की बात है। हम सभी एक परमात्मा की संतान हैं इसलिए हमें जाति एवं धर्म से ऊपर उठकर नि:स्वार्थ सेवा करनी चाहिए। तभी अखण्ड भारत का निर्माण हो सकेगा। पादरी किशन लाल मसीह ने कहा कि यदि हम राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ स्थिति में देखना चाहते हैं तो हमें आपसी धार्मिक, जातीय, ऊंच-नीच के भेदभाव को त्यागकर एक-दूसरे से प्रेम करना होगा। गुरुवचन सिंह ज्ञानी ने कहा कि सिख धर्म सिख पंथ अपने आपमें एक सर्व साझा, एकता, त्याग, सद्भावना का संदेश देता है। कन्हैयालाल जैन ने कहा कि जैन धर्म के 24 तीर्थकर महावीर स्वामी के समय में एक एक घाट पर शेर एवं गाय साथ-साथ पानी पीते थे। उन्होंने जियो और जीने दो एवं अहिंसा परमोधर्म का नारा दिया। अनार सिंह यादव ने कहा कि वर्तमान समय में सभी धर्म तथा मानव जाति में आपस में प्रेम, सद्भाव नहीं रहा है। अरूण प्रकाश तिवारी ददुआ ने कहा कि हमारा भारत इंद्रधनुषी समता का देश है। भारत की संस्कृति एवं सर्वधर्म सम्मान और संविधान एवं धर्म निरपेक्षता पर आधारित है। इस सम्मेलन को नगर पालिका अध्यक्ष वत्सला अग्रवाल, राकेश चटवाल ने भी सम्बोधित किया तथा मंच का कुशल संचालन ब्रज किशोर सिंह ने किया।

फर्रूखाबाद। 'सर्व धर्म सद्भावना सम्मेलन' का उद्घाटन करते हुए स्वामी रामभक्त दास, पादरी किशन लाल मसीह, गुरुवचन सिंह ज्ञानी, ब्र.कु.कुंती बहन तथा अन्य।

दीपावली का त्योहार कल्प पहले की यादगार - दादी

माउंट आबू। ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउंट आबू में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीपावली का त्योहार पारंपरिक हर्षो-उल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष विशेष अवसर था 'पीस पार्क' की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने का। इस अवसर पर 'पीस पार्क' से किस प्रकार सेवा प्रारंभ हुई और किस तरह से इसमें स्थानीय लोगों का सहयोग प्राप्त हुआ, इसे विस्तार पूर्वक बताया गया। संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज का दिन हमारे लिए विशेष दिन है। क्योंकि आज के ही दिन यज्ञ सेवा प्रारंभ हुई थी। इसके साथ ही दीपावली का त्योहार हमें कल्प पहले की स्मृति दिलाता है। जब रावण राज्य को समाप्त कराकर परमात्मा ने नई सृष्टि की रचना की थी। जिसे हम सभी लोग सतयुग के नाम से जानते हैं। इसके साथ ही आज का दिन नव वर्ष के रूप में भी मनाया जाता है। दादी रतनमोहिनी ने कहा कि दीपावली के दिन जिस तरह लोग पुराना खाता चुक्तू कर नया खाता प्रारंभ करते हैं उसी प्रकार हमें भी पुराने कर्मों का खाता चुक्तू कर श्रेष्ठ कर्मों का खाता खोलना चाहिए। यह त्योहार हमें राम राज्य की भी याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि 'पीस पार्क' को देखकर लोग यही कहते हैं कि यहां आध्यात्मिकता है तो प्रकृति की भी सौंदर्यता है।

मल्टी मीडिया के चीफ ब्र.कु.करूणा ने अपनी शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि 'ओम शांति भवन' से परमात्मा का संदेश विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाने का जो कार्य प्रारंभ हुआ है वह यूं ही सदा निर्विघ्न चलता रहे, ऐसी हमारी शुभकामना है।

ज्ञान सरोवर की निदेशिका डॉ.निर्मला ने कहा कि दीपावली का त्योहार हमें यह आध्यात्मिक प्रेरणा देती

- शेष पृष्ठ 4 पर

माउंट आबू। दीपावली के कार्यक्रम में मंचासीन हैं संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी, दादी रतनमोहिनी, डॉ.निर्मला एवं ब्र.कु.सुदेश बहन।

नागपुर। सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित चैतन्य देवियों की झांकी का विहंगम दृश्य।

सदस्यता शुल्क

भारत - वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश - 2000 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

ओम् शान्ति मीडि
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।